



# Government College Seraj at Lambathach

Distt. Mandi H.P. 175048

Email: [gcseraj-hp@nic.in](mailto:gcseraj-hp@nic.in)

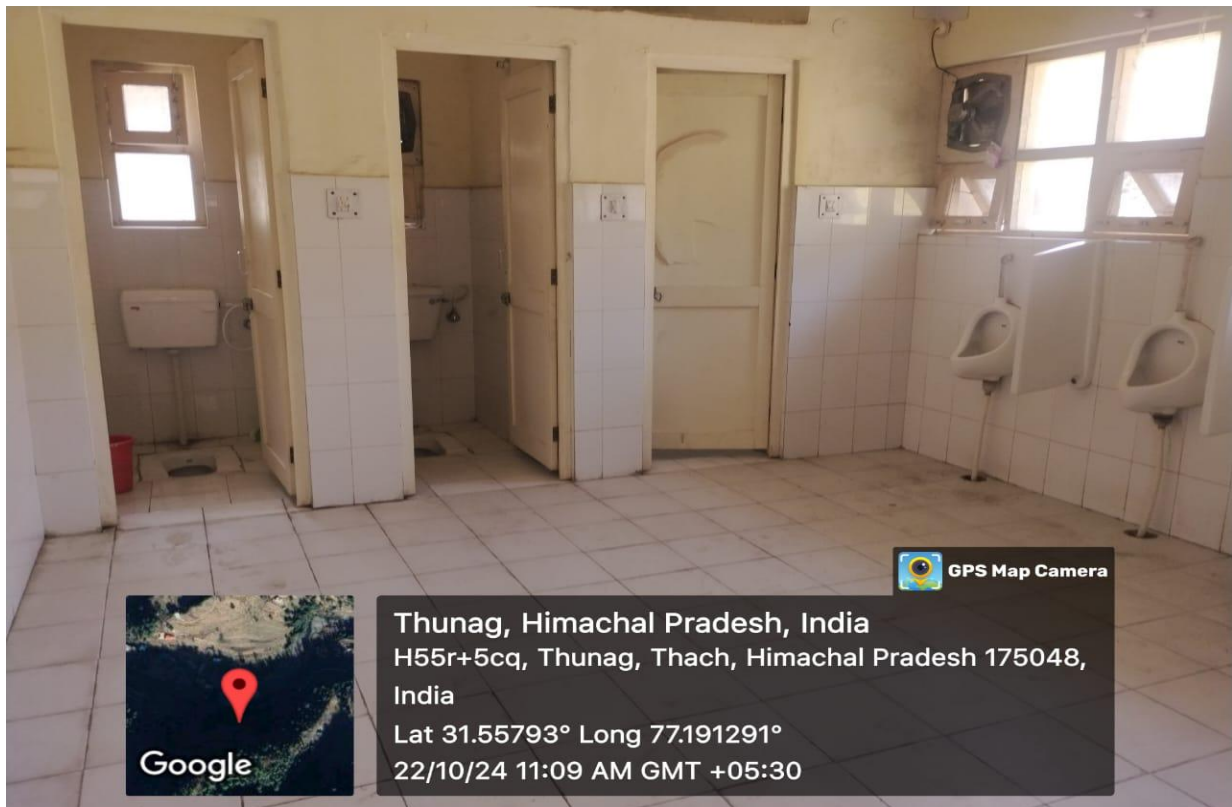
Phone No. :01907-257681

Reference Edu.GCSeraj-G-45/2024-**Dated:** 18<sup>th</sup> September 2024

## Cleanliness in washroom, building/ campus

Government College Seraj, Lambathach, prioritizes cleanliness and hygiene across its campus, ensuring a healthy and conducive learning environment for students and staff. The college maintains spotless washrooms, equipped with modern amenities and regular sanitation services. The buildings and classrooms are cleaned daily, with a focus on high-touch areas. The campus grounds are meticulously manicured, with designated waste disposal zones and recycling facilities. Regular sweeping, dusting, and disinfection ensure a dust-free and germ-free atmosphere. Additionally, the college conducts frequent cleanliness drives and awareness programs, encouraging students to take ownership of maintaining their surroundings. The National Service Scheme (NSS) unit and Eco Club actively participate in cleanliness initiatives, fostering a culture of responsibility and community service.

Committee/Activity/Club/Society	In-charge/Convener/Nodal Officer	Members
Sanitation and Cleanliness Committee	Prof. Kushal Singh	Dr. Ravinder Kumar Prof. Yamine Sharma



Thunag, Himachal Pradesh, India  
H55r+5cq, Thunag, Thach, Himachal Pradesh 175048,  
India  
Lat 31.55793° Long 77.191291°  
22/10/24 11:09 AM GMT +05:30



# बाढ़ से बेहाल लंबाधाच कॉलेज कॉलेज परिसर में भर गया मलबा

• खबरनामा ब्यूरो

डिग्री कॉलेज लंबाधाच इस बरसात अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रहा है। भाखड़ी खड्ड में उठे उफान ने कॉलेज कैंपस में तबाही मचा दी है। खड्ड में आए मलबे से कॉलेज का अधिकांश हिस्सा अटा पड़ा है। बाढ़ से कॉलेज का संपूर्ण परिसर छिन्न-भिन्न हो चुका है।

करोड़ों रुपए की लागत से तैयार इस भवन की भूतल मॉडल में कीचड़ और पानी भरा है। जिसके कारण रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, व्यायाम शाला एवं शारीरिक शिक्षा विभाग में अध्ययन एवं अध्यापक कार्य पूर्ण रूप से बाधित चल रहा है। इतना ही नहीं महाविद्यालय का बिजली का ट्रांसफार्मर भी खड्ड की बाढ़ में बह गया। जिससे कॉलेज कैंपस में बिजली व्यवस्था बाधित हो चुकी है।

इसके अलावा कॉलेज पेयजल की सप्लाई भी लड़खड़ा गई है। एनएसएस वाटिका, बोटैकनिकल गार्डन, परिसर में स्थित क्यारियां, फुलवारियां, वर्मिकम्पोस्ट पिट, रोपे गए वृक्ष, पौधे, खेल स्थल और निर्माणाधीन विज्ञान भवन दलदल में बदल गए हैं। शिक्षकों के अधिकांश निजी वाहन बाढ़ एवं मलबे की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। अगले साल नैक संस्था महाविद्यालय के मूल्यांकन के लिए आएगी ऐसे में कैसे सभी मानकों और मापदंडों की पूर्ति हो पाएगी, यह बड़ा सवाल है।

कॉलेज की प्राचार्या जया ठाकुर कहती हैं कि प्राकृतिक आपदा की जद में आने से यहां विपरीत परिस्थितियां बन गई हैं। यह समय सराज के इस सबसे पुराने कॉलेज के अस्तित्व को बचाने का है। कॉलेज परिसर की रिटेनिंग वॉल को ठंढा उठाने के साथ ही अन्य सुरक्षागत उपाय तत्काल किए जाने जरूरी है। वहीं जंतु विज्ञान के सह प्राध्यापक रमेश कटारिया कहते हैं कि आने वाले दिनों में शीत ऋतु दस्तक देने वाली है। यहां बेहद ठंडा इलाका है। लिहाजा शीतकाल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में हिटिंग सिस्टम की उचित व्यवस्था की जाए।

















